सीएमसीएलडीपी छात्रों एवं प्रस्फुटन समिति धीरी द्वारा आर्थिक स्वावलंबन हेतु प्रयास

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्रों द्वारा समाज में स्वैच्छिकता व सामूहिकता के भाव से कार्य करने की प्रेरणा जाग्रत करने के प्रयास के अन्तर्गत छात्रों द्वारा ग्राम के लोंगो के सहयोग से बालाघाट जिले के विकासखंड बैहर में स्वच्छता, जल संरक्षण, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो प्रयास किए जा रहे हैं वे सराहनीय रहे। इसी कडी में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति धीरी के छात्र एंव प्रस्फुटन समिति के के प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करते हुए 9000 पौधों की नर्सरी तैयार कर समिति ने स्वयं के ग्राम में 300 पौधे रोपित किए। साथ ही 8500 पौधे विक्रय करके लाभ भी कमाया जिससे आत्मविश्वास बढ़ा। इस कार्य हेतु समिति को कहीं से किसी भी प्रकार का अनुदान प्राप्त नही हुआ। सदस्यों द्वारा आपस में ही धन संग्रह कर बीज आदि की व्यवस्था की गई थी। ग्राम को एक नई दिशा प्रदान करते हुए इसी ग्राम में समिति गठन व सी.एम.सी.एल.डी.पी. में छात्रों के प्रवेश के पूर्व तक इस गाम में केवल धान की फसल का उत्पादन ग्रामीण करते रहे है। परन्तु इस वर्ष छात्रों को कक्षाओं के माध्यम से व प्रस्फुटन समिति के सदस्यों की सक्रियता के चलते रबी फसल के उत्पादन पर चौपाल का आयोजन किया

गया। कारण था ग्रामीणों का पलायन रोकना वर्तमान तक यह होता रहा है कि धान की कटाई के बाद अधिकतर ग्रामीण पलायन कर जाते थे। अतः चौपाल में विभिन्न पहलुओं पर पलायन रोकने हेतु चर्चा की गई व तीन बार चौपाल आयोजन के बाद सभी ग्रामीणों ने तय किया कि इस वर्ष ग्राम में आय बढाने हेतु आलू का उत्पादन कियाजाए तथा इस हेतु ग्राम के 16 कृषकों के सामूहिक प्रयास से 25 एकड खेत में आलू की फसल का उत्पादन किया जा रहा है तथा बगैर शासकीय मदद के केवल सामूहिक प्रयासों के कारण ग्राम स्वावलंबन की ओर बढ रहा है वर्तमान में उक्त कार्य से बाकी लोंगों को भी प्रेरणा मिल रही है व लोंगों का पलायन इस वर्ष कम हुआ है।